SANSKRIT
3rd SEMESTER
Session 2015, 2016, 2017

Course No : SA-301 | **Total Marks – 100**
Title : ''महाकाव्य एवं मुक्तककाव्य'' | **Theory Exam – 80**
Time : 3 hrs | **Internal Assessment - 20**

प्रथम खण्ड – 'रघुवंश' महाकाव्य (पञ्चम सर्ग)

चार में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या। 7½x2=15 अंक

द्वितीय खण्ड – 'नीतिशतकम्' मुक्तककाव्य (सम्पूर्ण)

चार में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या। 7½x2=15 अंक

तृतीय खण्ड – 15 अंक

i) रघुवंश के आधार पर कालिदास का साहित्यिक परिचय।
ii) रघुवंश महाकाव्य के पञ्चम सर्ग की समालोचना।
iii) संस्कृत महाकाव्यों में रघुवंश का स्थान।
iv) भर्तृहरि का जन्मकाल एवं उनकी कृतियाँ।
v) निम्नलिखित विषयों के प्रति भर्तृहरि की धारणा –
मूर्खजन, विद्वद्जन, स्वाभिमान, अर्थ, दुर्जन, सज्जन, धैर्य, दैव, कर्म।

चतुर्थ खण्ड – 15 अंक

i) मुक्तक काव्य का लक्षण, महत्त्व एवं भेद।
ii) नीतिपरक संस्कृत–साहित्य को भर्तृहरि का योगदान।
iii) भर्तृहरि के नीतिशतक में प्रतिबिम्बित तत्कालीन समाज।
iv) नीतिशतक से प्राप्त होने वाली शिक्षाओं का विवरण।
v) नीतिशतक के आधार पर भर्तृहरि का साहित्यिक मूल्यांकन।

पञ्चम खण्ड – (भाग–क) साहित्यदर्पण के आधार पर – 10 अंक

i) रस का लक्षण।

ii) विभाव, अनुभाव तथा सञ्चारी भाव का परिचय।

iii) सात्विकभाव एवं स्थायीभाव का परिचय एवं अभिनय के प्रकार।

iv) रस–भेद–नौ रसों का सामान्य परिचय।

(भाग–ख) बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective type questions) 10 अंक

Books Recommended –

1. 'रघुवंश' – प्रकाशक–चौखम्बा प्रकाशन। महाकाव्य– मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. 'रघुवंश (पञ्चम सर्ग) – प्रकाशक–साहित्यपुस्तक भण्डार, मेरठ।
3. नीतिशतकम् – प्रकाशक–साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ, चौखम्बा प्रकाशन–मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. साहित्यदर्पण – प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

Note for Paper Setter –

A. There will be Cent percent choice for the candidate in Unit 3rd, 4th and 5th (भाग क)

B. 20 marks out of 100 marks be reserved for internal assessment

(i) Class Test 10 marks

(ii) Written Assignment 10 marks

SANSKRIT
4th SEMESTER
Session 2016, 2017, 2018

Course No : SA-401 **Total Marks – 100**
Title : ''गद्यकाव्य एवं व्याकरण'' **Theory Exam – 80**
Time : 3 hrs **Internal Assessment - 20**

प्रथम खण्ड – 'संस्कृत गद्यसंकलन' के अद्योलिखित अध्याय – 7½x2=15 अंक

i) आचार्यानुशासनम्
ii) सुदर्शन तडाकम्
iii) आदर्श गृहिणी
iv) शुकनासोपदेश।

उपर्युक्त अध्यायों के चार गद्याशों में से किन्हीं दो का अनुवाद।

द्वितीय खण्ड – 'संस्कृत गद्यसंकलन' के अधोलिखित अध्याय – 7½x2=15 अंक

i) शिववीरस्यराष्ट्रचिन्तनम्
ii) वासन्ती
iii) बसन्त ऋतु
iv) मातङ्गदारिका परिव्राजनम्।

उपर्युक्त अध्यायों के चार गद्याशों में से किन्हीं दो का अनुवाद।

तृतीय खण्ड – (भाग–क) 10 अंक

i) संस्कृत गद्यकाव्य तथा शैली का आरम्भ एवं विकास।
ii) संस्कृत गद्यशैली की विशेषताएँ।
iii) गद्यसंकलन में संकलित पाठों का सार एवं विशेषताएँ।
iv) संकलित पाठों के लेखकों का परिचय।

(भाग–ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद – 5 अंक

चतुर्थ खण्ड – (भाग–क) कारक प्रकरण 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' में से सूत्र संख्या 888–903 तक 5 अंक

(भाग–ख) कृदन्त प्रत्यय – शतृ, शानच्, क्त, क्तवतु, अनीयर्, क्त्वा, तुमुन्। 5 अंक

(भाग–ग) अपठित संस्कृत पद्यांश का हिन्दी अनुवाद। 5 अंक

पञ्चम खण्ड – (भाग–क) उपपद विभक्तियाँ 5 अंक

(भाग–ख) वाच्य परिवर्तन – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य 5 अंक

(भाग–ग) बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective type questions) 10 अंक

Books Recommended –

1. संस्कृत गद्यसंकलन – सम्पादिका प्रो० वेद कुमारी घई।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याययया डॉ० वाचस्पति गैरोला।
3. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – डॉ० चन्द्रशेखर पाण्डेय, प्रकाशक–साहित्य निकेतन, कानपुर।
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – चौखम्बा प्रकाशन, गीताप्रेस गोरखपुर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
5. सुबोध संस्कृत व्याकरण – डॉ० यशवन्त विष्ट।
6. अनुवाद चन्द्रिका – डॉ० चक्रधर नौटियाल।

Note for Paper Setter –

A. There will be Cent percent choice for the candidate in Unit 3rd (भाग क), 4th and 5th

B. 20 marks out of 100 marks be reserved for internal assessment

(i) Class Test 10 marks

(ii) Written Assignment 10 marks

SANSKRIT
5th SEMESTER
Session 2016, 2017, 2018

Course No : SA-501 | **Total Marks – 100**
Title : ''वेद एवं उपनिषद्'' | **Theory Exam – 80**
Time : 3 hrs | **Internal Assessment - 20**

प्रथम खण्ड –ऋग्वेद सूक्त 7½x2=15 अंक

i) अग्नि सूक्त – संख्या 1/1
ii) उषस् सूक्त – संख्या 3/61
iii) नासदीय सूक्त – संख्या 10/129
iv) संज्ञान सूक्त – संख्या 10/191

चार में से किन्हीं दो मन्त्रों का अनुवाद एवं व्याख्या –सायण भाष्य के आधार पर।

द्वितीय खण्ड – 'केनोपनिषद्' (सम्पूर्ण)

चार में से किन्हीं दो मन्त्रों की सप्रसङ्ग व्याख्या। 7½x2=15 अंक

तृतीय खण्ड – अथर्ववेद के 12वें काण्ड का पृथ्वीसूक्त। 7½x2=15 अंक

चार में से किन्हीं दो मन्त्रों का अनुवाद एवं व्याख्या।

चतुर्थ खण्ड – 15 अंक

i) ऋग्वेद के वर्ण्य–विषय की समीक्षा।
ii) यजुर्वेद की विषय–वस्तु का निर्देश।
iii) सामवेद के वर्ण्य–विषय का विवेचन।
iv) अथर्ववेद का प्रतिपाद्य विषय।
v) पर्यावरण संरक्षण में अथर्ववेद के पृथ्वीसूक्त का योगदान।
vi) पृथ्वीसूक्त का सार।

पञ्चम खण्ड – (भाग–क) 10 अंक

i) संज्ञान सूक्त की आधुनिक युग में प्रासङ्गिकता।
ii) अग्निसूक्त का सार एवं महत्त्व।
iii) नासदीय सूक्त के आधार पर सृष्टि–उत्पत्ति का वर्णन।

iv) उषस् सूक्त के आधार पर उषा का स्वरूप एवं महत्त्व।

v) केनोपनिषद् के आधार पर ब्रह्म का स्वरूप ।

vi) केनोपनिषद् के तृतीय एवं चतुर्थ खण्ड में वर्णित कथा का महत्त्व।

(भाग–ख) बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective type questions) 10 अंक

Books Recommended –

1. ऋक्सूक्त संग्रह – डॉ० हरिदत्त शास्त्री।
2. केनोपनिषद् – चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली। साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ।
3. पृथ्वीसूक्त – सम्पादक–डॉ० भारतभूषण शर्मा।
4. वैदिक साहित्य की रूपरेखा – डॉ० कर्ण सिंह, प्रकाशक–साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ।
5. वैदिक साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, दिल्ली।

Note for Paper Setter –

A. There will be Cent percent choice for the candidate in Unit 4^{th} and 5^{th} (भाग क)

B. 20 marks out of 100 marks be reserved for internal assessment

(i) Class Test 10 marks

(ii) Written Assignment 10 marks

SANSKRIT
6th SEMESTER
Session 2017, 2018, 2019

Course No : SA-601 | **Total Marks – 100**
Title : ''श्रीमद्भगवद्गीता, वेदाङ्ग, एवं भाषा विज्ञान'' | **Theory Exam – 80**
Time : 3 hrs | **Internal Assessment - 20**

प्रथम खण्ड – 'भगवद्गीता' – द्वितीय अध्याय 7½x2=15 अंक

चार में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या एवं भाव विवेचन।

द्वितीय खण्ड – षड् वेदाङ्गों का सामान्य परिचय – 15 अंक

i) शिक्षा
ii) कल्प
iii) व्याकरण
iv) निरुक्त
v) ज्योतिष
vi) छन्द

तृतीय खण्ड – 15 अंक

i) भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं महत्त्व।
ii) भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ।
iii) भाषा के विविध रूप–बोली, परिनिष्ठित भाषा, साहित्यिक भाषा, राष्ट्रभाषा।

चतुर्थ खण्ड – 15 अंक

i) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं की विशेषताएँ –
वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत।
ii) मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं – पालि–प्राकृत की विशेषताएँ।
iii) आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास।

पञ्चम खण्ड – (भाग–क) निबन्ध (संस्कृत) 150 शब्दों में 10 अंक

i) संस्कृत भाषायाः महत्वम्।

ii) गीतायाः महत्त्वम्।

iii) विद्यायाः महत्त्वम्।

iv) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

v) परोपकाराय सतां विभूतयः।

vi) संगणक क्रान्ति।

(भाग–ख) बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective type questions) 10 अंक

Books Recommended –

1. श्री मद्भगवद्गीता – गीताप्रेस गोरखपुर।
2. श्री मद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) – सम्पादक–डॉ० कर्ण सिंह, प्रकाशक–साहित्य पुस्तक भण्डार, मेरठ।
3. वैदिक साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।
4. भाषा–विज्ञान – डॉ० भोला नाथ तिवारी या डॉ० कर्ण सिंह।
5. संस्कृत निबन्ध शतकम् – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।
6. प्रस्तावरत्नाकर – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।

Note for Paper Setter –

A. There will be Cent percent choice for the candidate in Unit 3rd, 4th and 5th (भाग क)

B. 20 marks out of 100 marks be reserved for internal assessment

(i) Class Test 10 marks

(ii) Written Assignment 10 marks